बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 78 **दिनांक- 04- अक्टूबर 2024**

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.5 एवं 26 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 68 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29 एवं दोपहर में 3.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई ।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(05-09 अक्टूबर 2024)

- **ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 05-09 अक्टूबर ,2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-**
- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 05-09 अक्टूबर के मध्य जिले में बादल छाए रह सकते हैं एवं एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने का अनुमान है।**
- **अधिकतम तापमान 29-30 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24-27 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 10-15 किमी/घंटा की रप्तार से पूरबा हवा चल हवा चल सकती है।**
-

फसल	समसामयिक सुझाव
धान	बालियाँ निकलने तथा दूध भरने की अवस्था वाली धान की फसल में गंधी बग कीट की निगरानी करें। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबू निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है । इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक-एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए कार्बारिल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10-15 किलोग्राम की दर से आसमान साफ रहने पर भूरकाव 8 बजे सुबह से पहले अथवा 5 बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खेतों के आस-पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव अवश्य करें।
रबी फसल	अगात रबी फसल के लिए खेत की तैयारी मौसम साफ रहने पर शुरु करें। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी-गली गोबर खाद का प्रबंध करें। 150-200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
मिर्च	मिर्च की फसल में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मि.ली. प्रति 3 लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	धनबाल निकलने की अवस्था में जो मक्का की फसल आ गयी हो उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन आसमान साफ रहने पर हीं करें। कीट एवं रोग व्याधि की निगरानी फसल में नियमित रुप से करें।
बैगन	बैगन की तैयार पौध की रोपाई करें। अगात रोपी गई बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट का आक्रमण होने पर कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो कार्बोफ्यूरान 48 ई0सी0 1 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर हीं करें।
फूलगोभी	सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग के लिए वाहक का काम करते है।
मछलीपालन	मत्स्य पालक पूरक आहार का प्रयोग मछली के कुल वजन का 2 से 3 प्रतिशत की दर से करें। पूरक आहार में 10 ग्राम नमक प्रति किलोग्राम भोजन की दर से मिलाकर माह में 10 दिन लगातार मछलियों को खिलाएँ। पूरक आहार देने का समय 1000 बजे पूर्वाहन एवं 4:00 बजे अपराहन निर्धारित करे।चूने का प्रयोग प्रतिमाह पीएच० मान के अनुसार 16-20 कि०ग्रा०/एकड की दर से विशेषज्ञों की सलाह से करें।माह के अंत में तालाब में जाल चलवाएँ (पंगेशियस तालाब में जाल चताना वर्जित है)। माह में एक बार मछली को संक्रमण से बचाव हेतु पोटाशियम परमेगनेट 400 ग्राम प्रति एकक की दर से छिडकाव करें। तालाब का पानी अत्यधिक हरा होने पर चुना एवं रासायनिक खाद का प्रयोग बंद करें। पानी अत्यधिक हरा होने पर 800 ग्राम कॉपरसंस्केट प्रति एकड़ की दर से 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक	**आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम**

(डा. नेहा पारीक)
वैज्ञानिक (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

(डा. बीरेंद्र कुमार)
नोडल पदाधिकारी (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)